किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च

चर्चा में क्यों?

हाल ही में किसानों ने **शंभू बॉर्डर स्थित अपने विरोध स्थल से दिल्ली के लिये पैदल मार्च शुरू किया,** लेकिन हरियाणा पुलिस की बहुस्तरीय बैरिकेडिंग ने उन्हें रोक दिया।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की **धारा 163** के तहत हरियाणा पुलिस ने किसानों को निषेधाज्ञा का हवाला दिया।

प्रमुख बिंदु

- **किसानों की मांग:**
- किसान केंद्र सरकार से फसलों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की कानूनी गारंटी की मांग को लेकर मार्च कर रहे हैं।
- इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व **संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक)** और किसान मज़दूर मोर्चा के बैनर तले किसान कर रहे हैं।
- **विरोध कार्यवाहियाँ:**
- पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर 13 फरवरी 2024 से डेरा डाले किसानों को दिल्ली के रास्ते में सुरक्षा बलों ने रोक दिया।
- कुछ प्रदर्शनकारियों ने घग्गर नदी पर बने पुल पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा लगाए गए लोहे के जालीदार बैरिकेड को धक्का देकर गिरा दिया।
- **हरियाणा में सरकार की प्रतिक्रिया:**
- हरियाणा सरकार ने 6 से 9 दिसंबर 2024 तक अंबाला ज़िले के 11 गाँवों में **मोबाइल इंटरनेट और बल्क SMS सेवाओं को निलंबित** कर दिया है।
- **सुरक्षा के कड़े उपाय:**
- दिल्ली पुलिस ने चल रहे किसान आंदोलन के मद्देनजर शहर की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

//

न्यूनतम समर्थन मूल्य
Minimum Support Price (MSP)

वह दर जिस पर सरकार किसानों से फसल खरीदती है; किसानों द्वारा वहाँ किये गए उत्पादन लागत के कम-से-कम 1.5 गुणा की गणना के आधार पर

- **सिफारिश:**
- **'कृषि लागत और मूल्य आयोग' (CACP)** द्वारा सरकार को 22 अधिदिष्ट फसलों के लिये 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (MSP) तथा **गन्ने के लिये 'उचित और लाभकारी मूल्य' (FRP) की सिफारिश की जाती है।**
- **22 अधिदिष्ट फसलें :**

  (14 खरीफ, 6 रबी और 2 अन्य वाणिज्यिक फसलें)
- **7 अनाज**- धान, गेहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का और रागी
- **5 दालें**- चना, अरहर/तूर, मूंग, उड़द और मसूर
- **7 तिलहन**- मूंगफली, सफेद सरसों/सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुंभ और रामतिल
- **कच्चा कपास**
- **कच्चा जूट**
- **नारियल/गरी (कोपरा)**

MSP वह मूल्य है जिस पर सरकार को किसानों से अधिदिष्ट फसलों की खरीद करनी होती है, यदि बाजार मूल्य इससे कम हो जाता है

- **MSP की सिफारिश में प्रयुक्त कारक:**
  - फसल की खेती में आने वाली लागत
  - फसल के लिये आपूर्ति एवं मांग की स्थिति
  - बाजार मूल्य प्रवृत्तियाँ
  - अंतर-फसल मूल्य समता
  - उपभोक्ताओं के लिये निहितार्थ (मुद्रास्फीति)
  - पर्यावरण (मिट्टी तथा पानी के उपयोग)
  - कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्रों के बीच व्यापार की शर्तें
  - MSP की सिफारिश करते समय **CACP** द्वारा **'A2+FL'** और **'C2'** दोनों लागतों पर विचार किया जाता है।
  - **MSP का कोई वैधानिक समर्थन प्राप्त नहीं है - कोई भी किसान अधिकार के रूप में MSP की मांग नहीं कर सकता है**

दृष्टि The Vision

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/farmers-delhi-chalo-march-1